

छत्तीसगढ़ के चार पीएचसी और दो सीएचसी को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र

चर्चा में क्यों?

13 जुलाई, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा और मरीजों को बेहतर इलाज मुहैया कराने वाले छत्तीसगढ़ के चार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और दो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (**National Quality Assurance Standard**) प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है।

प्रमुख बंदि

- वदिति है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की विशेषज्ञों की टीम द्वारा वगित अप्रैल, मई और जून में इन अस्पतालों में मरीजों के लिये उपलब्ध सेवाओं की गुणवत्ता के परीक्षण के बाद राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र जारी किया गया है।
- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सरगुजा ज़िले के उदयपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और महासमुंद के बागबहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र से नवाज़ा गया है।
- जांजगीर-चांपा ज़िले के जर्वे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बस्तर के कुमहरावंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सरगुजा के बटईकेला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और कांकेर के बागोदर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को भी भारत सरकार द्वारा यह प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है।
- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के विशेषज्ञों द्वारा मरीजों के लिये अस्पताल में उपलब्ध सेवाओं की गुणवत्ता के परीक्षण में उदयपुर सीएचसी को 87 परतशित और बागबहरा सीएचसी को 85 परतशित अंक मिले हैं। वहीं जर्वे पीएचसी को 82 परतशित, बागोदर पीएचसी को 80 परतशित, बटईकेला पीएचसी को 76 परतशित और कुमहरावंड पीएचसी को 75 परतशित अंक मूल्यांकन में प्राप्त हुए हैं।
- उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण-पत्र प्रदान करने के पूर्व विशेषज्ञों की टीम द्वारा अस्पताल की सेवाओं और संतुष्टि स्तर का विभिन्न मानकों पर परीक्षण किया जाता है। इनमें उपलब्ध सेवाएँ, मरीजों के अधिकार, इनपुट, सपोर्ट सर्वसिस, क्लिनिकल सर्वसिस, इंफेक्शन कंट्रोल, गुणवत्ता प्रबंधन और आउटकम जैसे पैरामीटर शामिल हैं। इन कड़े मानकों पर खरा उतरने वाले अस्पतालों को ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुणवत्ता प्रमाण-पत्र जारी किये जाते हैं।